आई.एस.एस.एन. क्रमांक-२५८१-६१७६

₹४०

आश्विन-कार्तिक-२०७९ अक्टूबर-२०२२

राष्ट्रधर्म

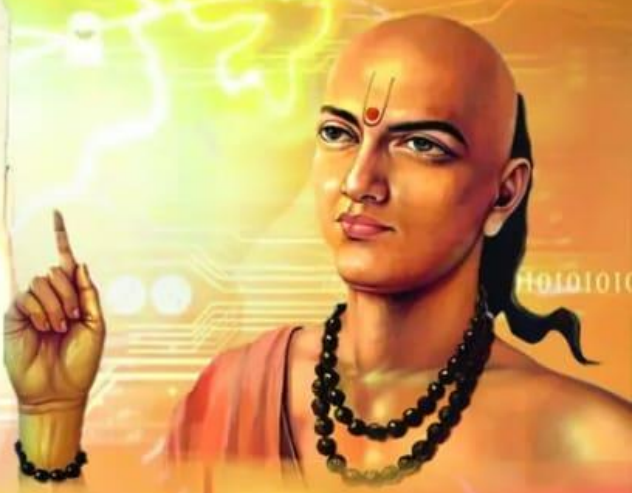

राष्ट्रधर्म मासिक पत्रिका की सदस्यता प्राप्त करने के लिए स्कैन करें

'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी'

आशुतोष मिश्र

सन् १९४७ में स्वतंत्र भारत की सबसे बड़ी चुनौती थी– बिखरी हुई रियासतों का एकीकरण। सभी रियासतों की विभिन्न माँगें थीं जिनको एक साथ पूर्ण कर पाना अत्यंत कठिन कार्य था। ऐसे में रियासतों को भारत में सम्मिलित करने की जिम्मेदारी सरदार वल्लभ भाई पटेल को मिली तथा वी.पी. मेनन उनके सहयोगी नियुक्त हुए। सरदार पटेल के देशभक्ति के आह्वान पर छोटी रियासतें जल्द ही भारत से जुड़ गयीं किन्तु कुछ बड़ी रियासतों ने विलय के बिन्दु पर असहमति प्रकट की जिनमें महाराजा त्रावणकोर, भोपाल के नवाब, महाराजा जोधपुर, हैदराबाद के निजाम और जूनागढ़ के नवाब के साथ जम्मू–कश्मीर के राजा हरि सिंह प्रमुख थे, किन्तु सरदार पटेल की दृढ़ इच्छाशक्ति एवं राष्ट्रीय अस्मिता के संकल्प ने ५६२ सियासतों का भारत में विलय किया, सरदार के अदम्य साहस एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण का अनुभव करते हुए उन्हें भारत के लौह पुरुष की उपाधि दी गयी। सरदार पटेल के आदर्शों एवं एक भारत–श्रेष्ठ भारत–विचार का प्रतिरूप मानकर दुनिया की सबसे ऊँची १८२ मीटर मूर्ति–निर्माण–कार्य का शिलान्यास गुजरात राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्रभाई मोदी ने ३१ अक्टूबर, २०१३ को सरदार सरोवर बाँध के निकट साधूबेट पर किया।

किसान पुत्र सरदार को सच्ची श्रद्धांजलि देने के लिए भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में सरदार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय एकता ट्रस्ट (SVPRET) द्वारा वर्ष २०१३–१४ में 'लोहा अभियान' चलाया गया तथा इस अभियान के अंतर्गत १,६६,०७८ कृषि उपकरण और मिट्टी के नमूने एकत्रित किये गये। स्मारक–निर्माण परियोजना में सम्पूर्ण भारत के गाँवों से १३४.२५ मीट्रिक टन लोहा प्राप्त हुआ जिसे १०६.१७ मीट्रिक टन ठोस लौह पट्टियों में परिवर्तित कर स्मारक निर्माण में उनका प्रयोग हुआ तथा एकत्रित हुई मिट्टी से सरदार पटेल के जीवन तथा विचारों के प्रदर्शन हेतु "वाल ऑफ़ यूनिटी" का निर्माण हुआ।

विंध्याचल और सतपुड़ा पर्वत शृंखला के मध्य स्टैच्यू ऑफ यूनिटी निर्माण के उपरांत यहाँ आने वाले पर्यटकों की संख्या में सहस्रों गुणा वृद्धि हुई है। आज केवड़िया में न सिर्फ भारतीय अपितु विदेशी नागरिक भी विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा को देखने आते है।

प्रतिदिन ५०००० तक की पर्यटक संख्या के साथ स्टैच्यू ऑफ यूनिटी भारत के गौरव एवं एकता का प्रतीक बनकर जनमानस के मन में स्थापित हुआ है। यह प्रतिमा आधुनिक भारत के शिल्पकार को केवल श्रद्धांजलि मात्र नहीं अपितु जनजातीय बाहुल्य नर्मदा जिले एवं निकटवर्ती क्षेत्रों के विकास का एक साधन भी सिद्ध हुआ है। सरदार सरोवर बाँध के निर्माण के उपरांत भी नर्मदा जिले में आर्थिक गतिविधि सुसुप्तावस्था में थी तथा कृषि ही जीविकोपार्जन का एक मात्र साधन था, प्रतिमा–निर्माण–कार्य से इस क्षेत्र के विकास कार्यों में विस्तार हुआ तथा लोगों के जीवन में व्यापक परिवर्तन आने प्रारम्भ हो गये। सरदार पटेल को समर्पित परियोजना की घोषणा के उपरांत केवड़िया में एकता नगर की स्थापना हुई जहाँ अहमदाबाद से केवड़िया तक चलने वाली सी प्लेन पर्यटकों के मध्य व्यापक रोमांच पैदा करती है तथा भारत के सहस्रों औषधियों के केंद्र आरोग्य वन में पर्यटकों को आयुर्वेद का ज्ञान प्राप्त होता है। इस प्रकार की विविधता के साथ निर्मित हुआ लौह पुरुष को समर्पित स्मारक भारत में आदर्श आधारित पर्यटन

का अनूठा उदाहरण बन रहा है तथा देश–विदेश में चर्चा का केंद्र भी बन गया है।

पर्यटन का नया केंद्र

केवड़िया नर्मदा जिले का छोटा–सा नगर था जो पर्यटन की दृष्टि से देश में नगण्य स्थल था जहाँ केवल वर्षा ऋतु के दौरान कुछेक लोग बाँध से छोड़ा हुआ जल देखने आते थे, विंध्याचल और सतपुड़ा पर्वत श्रृंखला के मध्य स्टैच्यू ऑफ यूनिटी निर्माण के उपरांत यहाँ आने वाले पर्यटकों की संख्या में सहस्रों गुणा वृद्धि हुई है। आज केवड़िया में न सिर्फ भारतीय अपितु विदेशी नागरिक भी विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा को देखने आते है। केवड़िया में

सरदार सरोवर नर्मदा नगर लिमिटेड के अन्तर्गत सरदार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय एकता ट्रस्ट (SVPRET) द्वारा एकता नगर की स्थापना हुई जिसमें वैली ऑफ फ्लावर्स, नौका विहार, जंगल सफारी, आरोग्य वन, शूल पणेश्वर मंदिर, माँ नर्मदा आरती जैसे अनेक आकर्षण, होटल, रेस्तरां, एकता माल जैसे आत्याधुनिक सुविधाओं सहित पर्यटन स्थल का निर्माण हुआ। प्रतिमा के भीतर स्थापित म्यूजियम सरदार पटेल के जीवन तथा उनके भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को बताता है तथा व्यइंग गैलरी व लाइट एंड लेज़र शो उपस्थित पर्यटकों के मन में देशभक्ति का अनुपम भाव प्रकट करता है। झरवाणी– झरना, रिवर राफ्टिंग, एकता क्रूज़, यूनिटी ग्लो गार्डन पर्यटकों में विशेष रोमांच जागृत करता है जिसके कारण केवड़िया जाने वाले लोगों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है।

आकर्षण

अ) विषय आधारित उद्यान

- आरोग्य वन
- बटरफ्लाई गार्डन
- कैक्टस गार्डन
- एकता नर्सरी
- विश्व वन
- वैली ऑफ फ्लावर
- यूनिटी ग्लो गार्डन

आ) मनोरंजन

- चिल्ड्रेन न्यूट्रीशन पार्क
- जंगल सफारी
- डाइनो ट्रेल
- एकता क्रूज

इ) सांस्कृतिक केंद्र

- नर्मदा महा आरती
- शूलपाणेश्वर मंदिर

ई) इको–पर्यटन एवं एडवेंचर खेल

- खलवानी–जरवानी इको टूरिज्म
- सरदार सरोवर नौका विहार
- रिवर राफ्टिंग

उ) जलपान एवं खरीदारी

- एकता फूड कोर्ट
- एस.ओ.यू फूड कोर्ट
- अमूल फूडलैंड
- एकता मॉल
- एस.ओ.यू स्मारिका दुकान

आधारभूत संरचना का विकास

सरदार पटेल के स्मारक–निर्माण के साथ ही क्षेत्र में अच्छी सड़कों की संरचना तैयार हुई तथा रेलवे स्टेशन की स्थापना हुई जिससे केवड़िया पहुँचने में लोगों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। एकतानगर पहुँचने के उपरांत पर्यटकों के लिए हर १० मिनट में ए.सी. बस की सुविधा उपलब्ध है जिससे वे निर्धारित स्थानों पर बिना अवरोध के पहुँच सकें।

जनजातीय विकास हेतु नर्मदा जिले के राजपिप्पला में बिरसा मुंडा जनजातीय विश्वविद्यालय की स्थापना हुई जो कि सरदार पटेल के स्मारक–निर्माण के निर्णय का ही भाग है, विश्वविद्यालय में जनजातीय युवाओं को तकनीक, कौशल आधारित व्यावसायिक शिक्षा, पर्यटन, जनजातीय कला, मूल्य एवं संस्कृति आदि पर आधारित विशेष शिक्षा प्रदान की जाती है।

अन्तरराष्ट्रीय मानबिंदु

अंतरराष्ट्रीय मानक आधारित परियोजना को मूर्त रूप देने के लिए सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय एकता ट्रस्ट (SVPRET) ने टर्नर प्रोजेक्ट मैनेजमेंट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, मेनहाईट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड एवं मिशेल ग्रेव्स एण्ड एसोसिएट्स संस्था को संयुक्त रूप से पीएमसी (प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंट) जैसे विश्वसनीय एवं अनुभवी कंपनियों को नियुक्त किया। इस संयुक्त समिति के कई सदस्यों ने विश्व की कुछ सबसे ऊँची एवं उत्कृष्ट रचनाओं के निर्माण में अपना–अपना योगदान दिया था, जिसमें दुबई का बुर्ज खलीफा भी शामिल है। स्मारक के दीर्घकालिक आयु के लिए भारत की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग और निर्माण कंपनी लार्सन एंड टुब्रो को परियोजना की आकृति, इंजीनियरिंग, सामग्री–खरीद, निर्माण, संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी सौंपी गई। विश्वप्रख्यात तथा पद्मभूषण मूर्तिकार श्री राम वी.

सुतार द्वारा निर्मित १८२ मीटर ऊँची सरदार पटेल की कांस्य प्रतिमा आज प्रत्येक भारतीय एवं अप्रवासी भारतीय के लिए गर्व का विषय बन गया है। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी देखने आने वाले पर्यटक भारत में दुनिया की सबसे ऊँची प्रतिमा देखकर हर्ष का बोध करते हैं तथा अनेक पर्यटक भारत के उत्कर्ष की मंगलकामना करते हैं। अप्रवासी भारतीय अपनी कर्मभूमि वापस जाकर भारत में हो रहे अन्तरराष्ट्रीय मानक आधारित परिवर्तन की चर्चा गौरव की अनुभूति के साथ करते हैं तथा स्थानीय नागरिकों को भी भारत जाने का सहृदय निमन्त्रण देते हैं।

एकता नगर में रोजगार के बढ़ते अवसर

सरदार पटेल के स्मारक–निर्माण कार्य से लेकर एकता नगर के संचालन तक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से अनेक रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। एकता नगर परिसर के अन्दर नियुक्त गाइड के चयन में क्षेत्रीय युवाओं को प्राथमिकता दी जाती है। साथ ही उन्हें प्रशिक्षण देकर अधिक योग्य बनाने का कार्य निरंतर चल रहा है।

एकतानगर में कार्य कर रहे अधिकतर होटल कर्मचारी, सुरक्षाकर्मी, स्वच्छताकर्मी ५० किलोमीटर के दायरे में रहते हैं जिसके कारण निकटतम क्षेत्र में नागरिकों की क्रयशक्ति में गुणात्मक वृद्धि हुई है। निर्धारित क्षेत्र में अप्रत्यक्ष रूप से अनेक रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर सृजित हुए। जैसे– निर्माण कार्य सम्बंधित प्रतिष्ठान, वाहन–केंद्र, पेट्रोल पंप आदि वृहद् रूप से खुलना एवं काम करने वालों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ रही है।

एकता नगर के ५० किलोमीटर की परिधि में मुख्य मार्ग से जोड़ने वाली सभी सड़कों पर होटल, रेस्तरां, भोजनालय, गेस्ट हाउस, पेट्रोल पम्प, बैंक, ए.टी.एम. आदि व्यवसायिक केन्द्रों का विकास तथा विस्तार हुआ है जिससे सहस्रों लोगों को रोजगार प्राप्त हो रहा है।

महिला सशक्तिकरण

एकता नगर के सकुशल संचालन में महिलाओं का योगदान भी अतुलनीय है। आत्मोत्थान के लिए महिलाओं को गाइड के रूप में पर्याप्त अवसर मिलते हैं जिससे वह अपने जीविकोपार्जन को समुचित रूप से चला सके।

विशेष योजना "पिंक ऑटो" के अंतर्गत वनवासी महिलाओं को इलेक्ट्रिक ऑटो रिक्शा प्रदान किया गया है तथा एकता नगर परिसर के अन्दर पिंक ऑटो संचालन की उन्हें विशेष अनुमति प्रदत्त है। इस योजना से वनवासी महिलाओं को स्वरोजगार प्राप्त हुआ जिससे अपने जीवन स्तर को निरंतर अच्छा करने का प्रयास कर रही हैं।

एकतानगर में कार्य कर रहे अधिकतर होटल कर्मचारी, सुरक्षाकर्मी, स्वच्छताकर्मी 50 किलोमीटर के दायरे में रहते हैं जिसके कारण निकटतम क्षेत्र में नागरिकों की क्रयशक्ति में गुणात्मक वृ) हुई है। निर्धारित क्षेत्र में अप्रत्यक्ष रूप से अनेक रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर सृजित हुए। जैसे– निर्माण कार्य सम्बंधित प्रतिष्ठान, वाहन–केंद्र, पेट्रोल पंप आदि वृहद् रूप से खुलना एवं काम करने वालों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ रही है।

स्वच्छ एवं शांतिपूर्ण वातावरण

एकतानगर परिसर के अन्दर व्यक्तिगत वाहन पूर्णतः प्रतिबंधित हैं तथा पोलीथिन मुक्त परिसर होने से सार्वजानिक स्थानों पर होने वाली गन्दगी से यह स्थान मुक्त है। किसी भी प्रकार के नशे सम्बंधित पदार्थ परिसर के अन्दर वर्जित है जिससे कि सम्पूर्ण परिसर में शांति एवं पारिवारिक वातावरण का निर्माण होता है।

सुझाव

लौह पुरुष सरदार पटेल के स्मारक के निर्माण का उद्देश्य राष्ट्रीय गौरव की अनुभूति के साथ जनजातीय विकास तथा उनकी संस्कृति का प्रचार था। राष्ट्रीय संस्कृति का बोध कराने हेतु इस स्थान पर नवीन प्रयोगों की आवश्यकता प्रतीत होती है।

- जनजातीय समुदाय से कुशल हस्तशिल्प कारीगरों को चिह्नित कर उन्हें स्थायी दुकानें शीघ्र आबंटित करने से उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव की सम्भावना है तथा पर्यटकों को जनजाति कला की जानकारी भी प्राप्त हो सकेगी।
- स्मारक–परिसर में विभिन्न स्थानों पर भारतीय स्वतंत्रता एवं संस्कृति सम्बंधित चित्रों की प्रदर्शनी लगाने से पर्यटकों का राष्ट्रीय चेतना के प्रति आकर्षण बढ़ेगा।
- भारत सरकार 'वोकल फॉर लोकल' के मन्त्र को जन–जन में जागृत कर रही है। ऐसे में स्थानीय भोजन व संस्कृति का सुव्यवस्थित योजना के अंतर्गत प्रचार एवं प्रसार करने की आवश्यकता है।

शोध छात्र, डिपार्टमेण्ट ऑफ पालिसी एडवोकेसी, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद

चलभाष : ६५८०८८४६६८